



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 143]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जनवरी 27, 2011/माघ 7, 1932

No. 143]

NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 27, 2011/MAGHA 7, 1932

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 2011

का.आ. 175(अ).—केंद्रीय सरकार संतुष्ट है कि लोकहित में ऐसा अपेक्षित है कि प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद में सेवाओं को जिसे औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि 12 के अन्तर्गत निर्दिष्ट किया गया है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवाएं घोषित किया जाना चाहिए।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ठ) के उप-खण्ड (vi) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए तत्काल प्रभाव से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[फा. सं. एस-11017/8/97-आईआर (पीएल)]

रवि माथुर, अपर सचिव

MINISTRY OF LABOUR AND EMPLOYMENT

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th January, 2011

S.O. 175(E).—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest so requires that the service in the industry engaged in the Security Printing Press, Hyderabad as Public Utility Service for which is covered by item 12 of the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a Public Utility Service for the purposes of the said Act.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of Section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a Public Utility Service for the purpose of the said Act for a period of six months.

[F. No. S-11017/8/97-IR (PL)]

RAVI MATHUR, Addl. Secy.